समीक्षा : 2014 – 2015

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा

फ़ोन नं0 05966 – 240430

Email – umang@grassrootsindia.com & info@umang-himalaya.com

w.w.w. umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा सन् 2001 में पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में एक स्वयं सेवी संस्था महिला उमंग समिति के रुप में आरम्भ हुई।

महिला उमंग समिति सन् 2001 से स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करने में सफल रही है। आजीविका विकास कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के परिणाम स्वरुप महिला उमंग समिति के सदस्यों ने आपसी विचार विमर्श द्वारा उमंग को स्वयं सेवी संस्था से बदलकर प्रोड्यूसर/उत्पादक कम्पनी करने का प्रस्ताव फरवरी 2008 में पारित किया।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक, बराबर सदस्यता शुल्क द्वारा सुनिश्चित किया गया। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा यह सुनिश्चित करने में सहायक होता है कि बढ़ते उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचे।

आने वाले कुछ वर्षों में उमंग का लक्ष्य 3,000 (तीन हज़ार) उत्पादक सदस्यों को ` 15,000 (पंद्रह हज़ार) प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित कराना है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **96** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **43** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक **146** स्वयं सहायता समूहों द्वारा उमंग की सदस्यता ग्रहण की जा चुकी है जिनमें **1,448 (एक हजार, चार सौ अड़तालीस)** सदस्य हैं।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान उत्तराखण्ड राज्य में उमंग द्वारा 7 गाँव में 10 नये स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 136 महिलाओं द्वारा सदस्यता ग्रहण की गयी जो अपनी सुविधा अनुसार प्रति माह ` 50 से ` 100 रुपये तक जमा करती हैं।

संचित रुप से अब तक कुल 212 समूह क्रियाषील हैं इनमें कुल 3,057 (तीन हज़ार, सत्तवन) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में ` 88,52,160 (अट्ठासी लाख, बावन हजार, एक सौ साठ) जमा है।

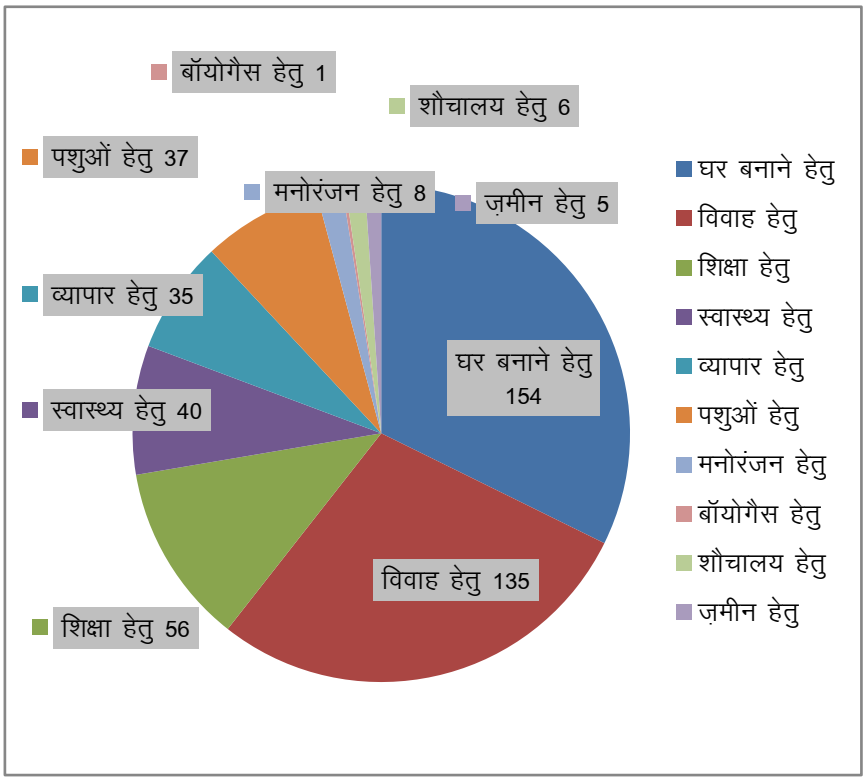

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा समीक्षा वर्ष के दौरान ` 27,85,380 अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ` 7,631 की बचत है। जिस पर समूहों को ` 2,02,837 (दो लाख, दो हज़ार, आठ सौ सैंतीस) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ है। इस वर्ष 477 महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ` 66,11,847 (छियासठ लाख, ग्यारह हज़ार, आठ सौ सैंतालीस) ऋण लिया है, इस ऋण पर समूहों ने कुल ` 3,97,926 (तीन लाख, साठ हज़ार, आठ सौ बत्तीस) ब्याज के रूप में अर्जित किये हैं। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवष्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

बचत एवं ऋण के साथ–साथ उत्तराखण्ड के 152 (72 %) स्वयं सहायता समूहों के 1,130 (37 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं। उमंग के कुल 1,448 (एक हजार तीन सौ नवासी) सदस्यों में से 138 सदस्य किसी भी समूह से नहीं जुड़े हैं।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय `	सदस्यों को कुल बोनस `	सदस्यों की कुल आय `	प्रति सदस्य औसत आय `
			मात्रा	मूल्य `				
1	बुनाई	734	10,497 पीस	47,58,481	18,39,061	80,000	19,19,061	2,615
2	फल संरक्षण	188	15,207 कि0	21,92,815	4,49,816	30,000	4,79,816	2,552
3	हिमखाद्य	773	28,222 कि0	42,98,207	24,42,163	60,000	25,02,163	3,237
4	शहद	8	3,334 कि0	8,91,591	5,11,629	–	5,11,629	63,954
	कुल			**1,21,41,094**	**52,42,669**	1,70,000	54,12,669	

उमंग के द्वारा वर्ष 2014–15 के दौरान कुल 1,419 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया, जिनमें कुल 77 प्रतिषत प्रतिभागी (1095 सदस्य) उमंग के अंषधारक हैं तथा 23 प्रतिषत प्रतिभागी (324 सदस्य) उमंग के अंषधारक नहीं हैं। उपरोक्त सदस्यों में से 19 प्रतिषत प्रतिभागी 267 सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री `	नैट बिक्री `	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान %
1	बुनाई	69,05,825	58,96,773	44
2	फल संरक्षण	24,92,405	21,33,822	16
3	हिमखाद्य	49,18,389	43,43,963	32
4	शहद	12,50,362	11,06,829	8
	कुल	**1,55,66,981**	**1,34,81,387**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 9 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ` 1,34,81,387 (एक करोड़, चौंतीस लाख, इक्यासी हज़ार, तीन सौ सत्तासी) की। वित्तीय वर्ष में ` 3,01,580 (तीन लाख, एक हज़ार, पाँच सौ अस्सी) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.	विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री `	नैट बिक्री `	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग, नैनी	28,59,924	24,02,938	18
2	हाउस ऑफ उमंग, दिल्ली	3,73,846	3,51,204	2
3	हाउस ऑफ उमंग, निगलाट	5,00,026	4,62,839	3
4	उमंग–हरेला, रामनगर	4,26,266	3,36,705	3
5	फैब इंडिया	24,41,060	17,24,276	16
6	प्रदर्शनियां	25,82,837	24,80,339	17
7	ई–सेल	20,98,945	18,17,757	13
8	स्वयं सहायता समूह	2,85,499	2,81,829	2
9	अन्य रिटेल के माध्यम	39,98,578	36,23,500	26
	कुल	**1,55,66,981**	**1,34,81,387**	**100**

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग द्वारा ग्रासरूट्स की वित्तीय सहायता से उत्तराखण्ड के नैनीताल ज़िले में भवाली के समीप, निगलाट में अपनी तीसरी दुकान की षुरूआत की गयी है।

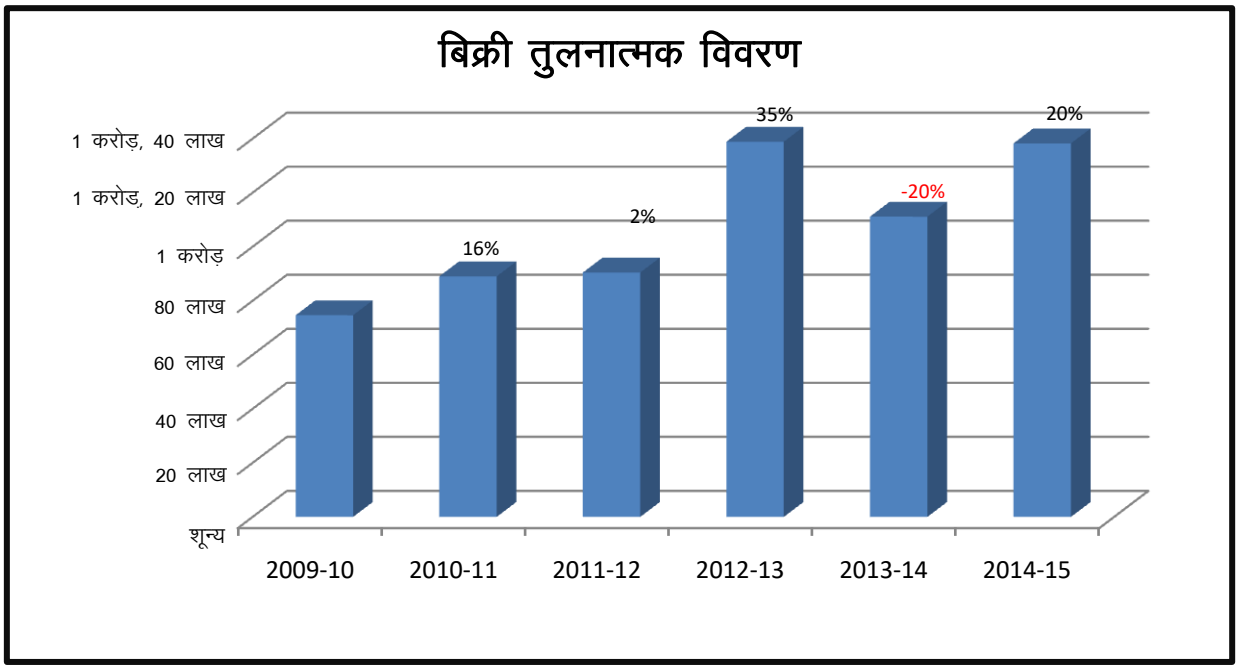

समीक्षा वर्ष के दौरान पूर्व संचालित आजीविका कार्यक्रमों को अधिक सदृढ़ता प्रदान करने के साथ–साथ बाजार की मांग और उत्पादकों के हित को सोचते हुए कुछ नए प्रयास भी किये गये हैं। जिसके अंतर्गत अन्य पर्वतीय स्थानीय महिला समूहों, बुनकरों व दस्तकारी द्वार उत्पादित वस्तुओं को बाज़ार व्यवस्था उपलब्ध कराने का प्रयास विगत वर्ष की भांति जारी रहे। जिसमें प्रमुख रुप से हिमाचल के स्पिति ज़िले के काष्तकारों द्वारा उत्पादित वस्तुओं का प्रचार किया गया। यह प्रयास **स्नोलैपर्ड ट्रस्ट, नेचर कनज़र्वेषन फाउण्डेषन** के सहयोग से किया गया।

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **89** महिला स्वयं सहायता समूहों की **734** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में ` **16,81,765 (सोलह लाख, इक्यासी हज़ार, सात सौ पैसंठ)** अतिरिक्त आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं को उत्पादन के आधार पर ` **1,57,296 (एक लाख, सत्तावन हज़ार, दो सौ छियानबे)** का भुगतान किया गया, साथ ही वित्तीय वर्ष में ` **80,000 (अस्सी हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी वार्षिक आय का **4 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश पाने का मौका मिला। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **33 प्रतिषत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

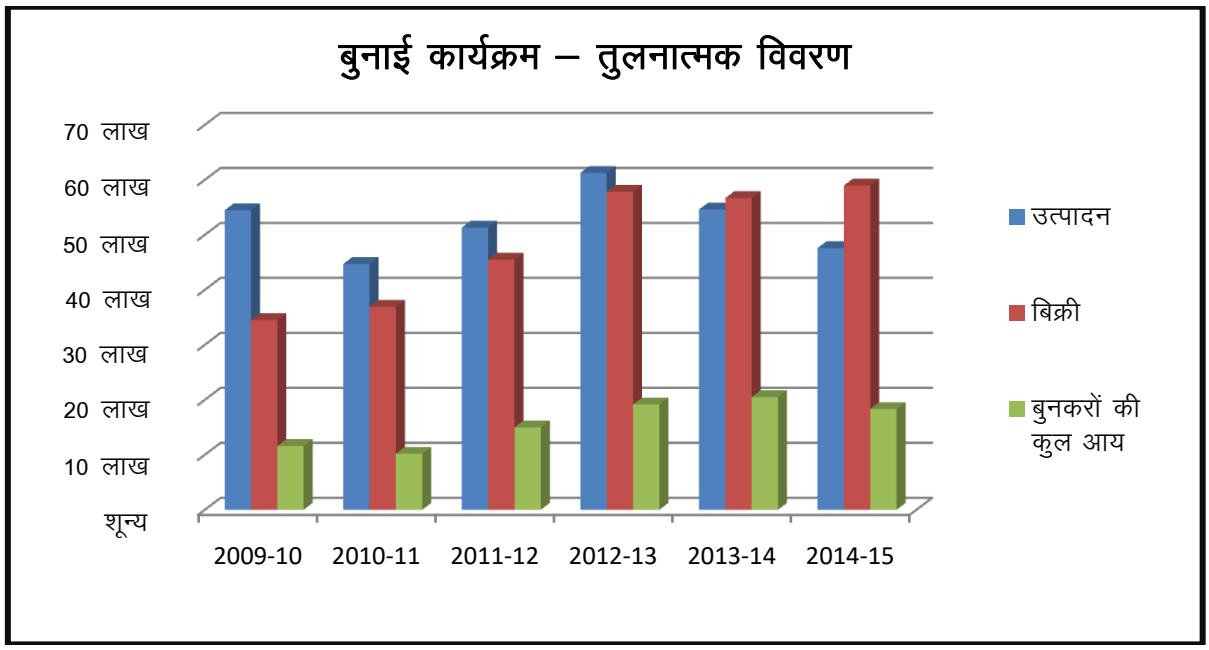

बुनाई कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय `	लीडर आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
1	दुसाद	10	168	30	1,157	2,46,515	6,783	11,964	2,65,262
2	गगास अन्य	4	102	8	2,079	4,26,560	47,720	20,977	4,95,257
3	गगास वैली	1	16	1	54	9,405	1,047	463	10,915
4	कनाड़ी	8	57	13	687	1,02,045		5,018	1,07,063
5	कोसी	3	59	3	1,576	1,45,190	15,833	7,140	1,68,163
6	कुजगढ़	4	100	7	2,209	3,33,050	35,595	16,379	3,85,024
7	माल्यागाड़	4	49	9	369	39,075	5,067	1,425	45,567
8	अन्य	1	23	0	618	45,015	4,818	162	49,995
9	पनाई	3	38	7	433	78,965	9,322	3,883	92,170
10	रिसकन	1	11	1	358	20,980	2,432	1,031	24,443
11	सोमेष्वर	7	111	10	957	2,34,965	28,679	11,558	2,75,202
	कुल	**46**	**734**	**89**	**10,497**	**16,81,765**	**1,57,296**	**80,000**	**19,19,061**

	बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय `
	प्रथम	लक्ष्मीबाई समूह (मजखाली)	गगास अन्य	45,960	2,260	48,220	7	6,889
शहरी क्षेत्र	द्वितीय	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेष्वर	68,380	3,363	71,743	11	6,522
	तृतीय	निरंतर समूह (रायस्टेट)	गगास अन्य	80,015	3,935	83,950	14	5,996
	प्रथम	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	66,180	3,255	69,435	15	4,629
ग्रामीण क्षेत्र	द्वितीय	सुमंगल समूह (नैनीपुल)	कोसी	63,205	3,108	66,313	16	4,145
	तृतीय	नवदीप समूह (सैनरी)	कनाड़ी	14,755	725	15,480	4	3,870

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य								
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
शहरी क्षेत्र								
प्रथम	माया खर्कवाल	77	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेष्वर	47	17,060	839	17,899
द्वितीय	आषा थापा	48	सुमंगल समूह (नैनीपुल)	कोसी	176	15,695	772	16,467
तृतीय	गंगा देवराड़ी	789	लक्ष्मीबाई समूह (मजखाली)	गगास अन्य	97	15,635	769	16,404
चतुर्थ	मंजू तिवारी	476	जीवन ज्योति समूह (ताड़ीखेत)	गगास अन्य	42	12,130	597	12,727
पंचम्	चंद्रा देवी	700	लक्ष्य समूह (मालरोड)	कुजगढ़	95	12,070	594	12,664
ग्रामीण क्षेत्र								
प्रथम	सरिता बिष्ट	2331	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	39	7,205	354	7,559
द्वितीय	अनीता अधिकारी	718	प्रेरना समूह (दमतोला)	कोसी	75	7,135	351	7,486
तृतीय	इंद्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	48	5,865	288	6,153
चतुर्थ	मंजू देवी	2986	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	माल्यागाड़	66	5,780	284	6,064
पंचम्	हीरा नेगी	957	नवदीप समूह (सैनरी)	कनाड़ी	32	5,620	276	5,896

बुनाई कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र से प्रथम आने वाली सदस्या, ग्राम कौसानी की निवासी 'श्रीमती माया खर्कवाल' व ग्रामीण क्षेत्र से प्रथम आने वाली सदस्या, ग्राम उप्राड़ी की निवासी 'श्रीमती सरिता बिष्ट को समीक्षा वर्ष 2014–15 में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली 734 महिलाओं में विषेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार इन दोनों को बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित उत्पाद बनाये हैं–

क्रम संख्या	उत्पाद का नाम	उत्पाद का प्रकार
1	अचार	नींबू, मीठा नींबू, आम, लहसुन, हरी मिर्च
2	चटनी	आम, प्लम, खुमानी
3	जैम	प्लम, खुमानी, स्ट्रॉबैरी, अनन्नास
4	जैली	नाशपाती, अमरुद
5	मार्मलेड	माल्टा
6	शहद	लीची, जंगली फूल

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **36** महिला स्वयं सहायता समूहों के **188** किसान परिवारों से ` **4,49,816 (चार लाख, उन्चास हज़ार, आठ सौ सोलह)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में ` **30,000 (तीस हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपनी वार्षिक आय का **7 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **22** प्रतिषत रूपया काष्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

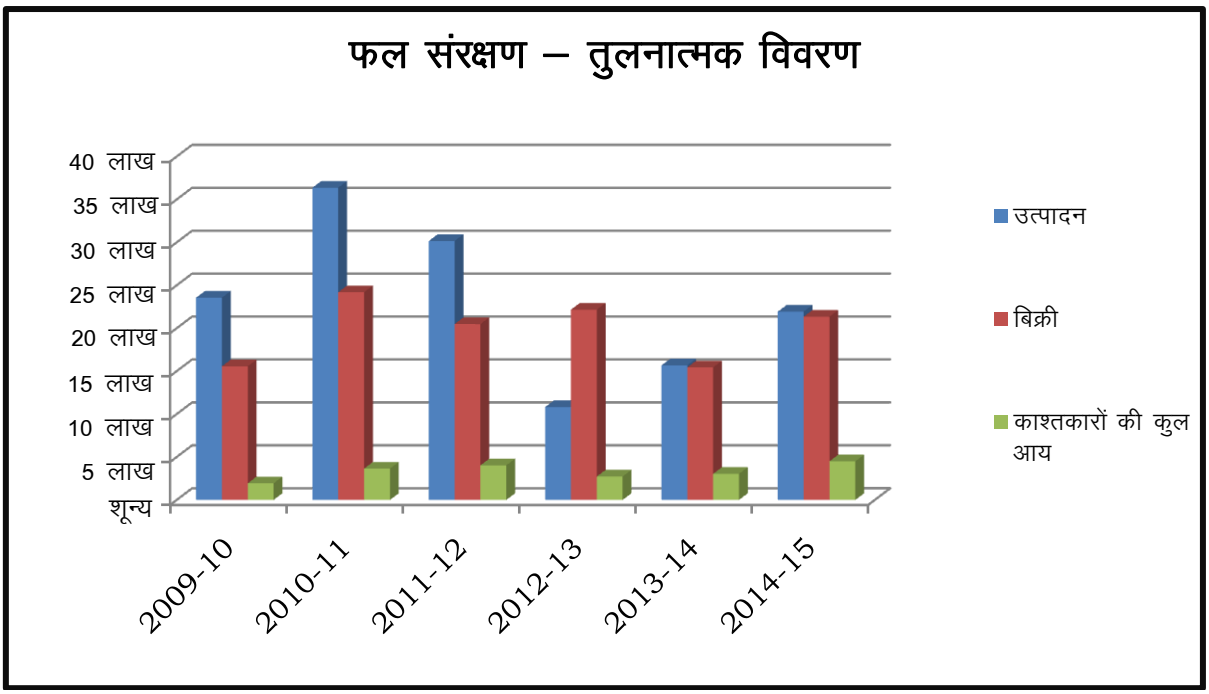

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय `
प्रथम	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	1,14,720	9,831	1,24,551	21	5,931
द्वितीय	जय देवी मां समूह (स्यालसुना)	दुसाद	17,541	1,437	18,978	4	4,744
तृतीय	जय लक्ष्मी समूह (नायल)	हेडवाटर्स	18,366	1,592	19,958	5	3,992

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंष धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
1	दुसाद	5	7	14	13	2,140	29,307	2,456	31,763
2	गगास अन्य	1	2	3	3	194	2,951	256	3,207
3	हैडवाटर्स	3	5	37	31	3,923	1,54,431	12,345	1,66,776
4	कोसी	6	6	56	52	4,901	87,715	7,424	95,139
5	कुजगढ़	1	0	1	1	50	1,304	113	1,417
6	माल्यागाड़	5	7	20	16	788	23,950	2011	25,960
7	अन्य	1	0	1	0	936	80,369		80,369
8	पनाई	3	7	34	31	2,093	52,092	4,406	56,498
9	रिसकन	2	2	22	5	182	17,698	989	18,687
	कुल	**27**	**36**	**188**	**152**	**15,207**	**4,49,816**	**30,000**	**4,79,816**

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य							
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
1	दुसाद	शोभा जोषी	1443	जय देवी माँ समूह (स्यालसुना)	11,767	1,020	12,787
2	गगास अन्य	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना समूह (मजखाली)	1,070	93	1,163
3	हैडवाटर्स	गीता रावत	2799	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	30,700	2,661	33,361
4	कोसी	भगवती देवी	2618	ज्योति समूह (कूल)	5,040	437	5,477
5	कुजगढ़	भावना देवी	2783	(पातली)	1,304	113	1,417
6	माल्यागाड़	दीपा देवी	2469	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	4,942	428	5,370
7	पनाई	साबुली देवी	354	विष्वास समूह (बनोलिया)	6,930	601	7,531
8	रिसकन	गोदावरी देवी	1936	जागृति समूह (चमनी)	4,857	421	5,278

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विषेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2014–15 में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाली 188 महिलाओं में विषेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिषत योगदान				
क्रम	**उत्पाद का नाम**	**उत्पाद (कि0ग्रा0)**	**उत्पाद ` **	**प्रतिषत योगदान मात्रा के आधार पर**
1	लहसुन	4,227	1,69,074	28 %
2	प्लम्	2,727	42,576	18 %
3	आम	2,201	26,096	14 %
4	खुमानी	1,826	36,510	12 %
5	स्टॉबैरी	1,308	1,17,608	9 %
6	अमरुद	522	7,758	3 %
7	कागज़ी नींबू	492	14,522	3 %
8	हरी मिर्च	483	11,099	3 %
9	माल्टा	455	7,350	3 %
10	बड़ा नींबू	293	2,379	2 %
11	सेब	279	5,137	2 %
12	नाशपाती	257	771	2 %
13	कीवी	127	8,223	1 %

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **116** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **773** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, ` **24,42,163 (चौबीस लाख, बयालीस हज़ार, एक सौ त्रेसठ)** की आय अर्जित की। बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में ` **60,000(साठ हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का **2 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **58** प्रतिषत रूपया काष्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

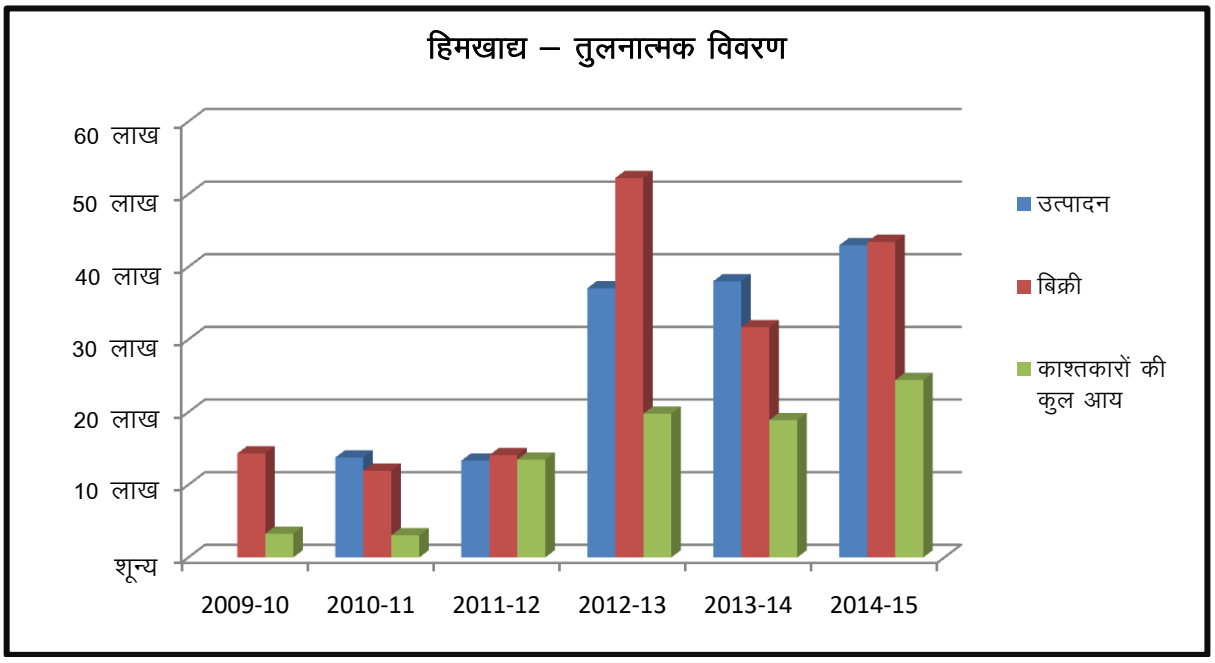

हिमखाद्य कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंष धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
1	दुसाद	14	31	186	131	7,288	3,88,870	9,387	3,98,257
2	गगास अन्य	2	4	16	1	246	4,789	23	4,812
3	गगास वैली	1	2	21	9	395	18,824	306	19,130
4	हैडवार्टर्स	5	11	63	55	1,956	1,13,095	2,990	1,16,085
5	कनाड़ी	11	13	80	58	2,095	1,46,711	3,875	1,50,586
6	खिरो	4	1	20	0	621	12,410		12,410
7	कोसी	7	5	60	47	4,114	3,80,451	8,553	3,89,004
8	कुजगढ़	1	0	1	1	15	10,840	307	11,147
9	माल्यागाड़	16	34	166	98	2,781	93,385	2,120	95,505
10	अन्य	4	0	9	1	183	4,170	31	4,201
11	पनाई	4	8	19	15	259	8,360	201	8,561
12	रिसकन	2	2	13	4	158	16,529	451	16,980
13	सोमेष्वर	4	5	10	10	151	2,697	74	2,771
कुल (उत्तराखण्ड)		**75**	**116**	**664**	**430**	**20,259**	**12,01,129**	**28,318**	**12,29,447**
14	हिमाचल	43	5	109	86	7,963	12,41,034	31,682	12,72,716
कुल		**118**	**121**	**773**	**516**	**28,222**	**24,42,163**	**60,000**	**25,02,163**

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय `
प्रथम	देव स्थल समूह (खलाड़)	कोसी	2,64,302	7,482	2,71,784	21	12,942
द्वितीय	विकास समूह (दड़माड़)	दुसाद	39,095	1,106	40,201	8	5,025
तृतीय	जय भूमिया समूह (मल्ला सती नौगाँव)	दुसाद	57,905	1,560	59,465	12	4,955

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य–उत्तराखण्ड से							
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
1	दुसाद	तुलसी नेगी	1520	जय भूमिया समूह (मल्ला सती नौगाँव)	11,914	337	12,252
2	गगास अन्य	विमला देवी	799	लक्ष्मीबाई समूह (मजखाली)	804	23	827
3	गगास वैली	नन्दी भण्डारी	3076	रामेष्वरम् समूह (बासुलीसेरा)	2,862	81	2,943
4	हैडवाटर्स	हीरा देवी	2351	जय लक्ष्मी (नायल)	9,020	255	9,275
5	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	8,793	249	9,041
6	खिरो	कान्ता देवी	*	छतगुल्ला	1,500	0	1,500
7	कोसी	नन्दी देवी	2747	देव स्थल समूह (खलाड़)	23,408	663	24,071
8	कुजगढ़	भावना देवी	2783	पातली	10,840	307	11,147
9	माल्यागाड़	दीपा देवी	2469	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	4,468	126	4,594
10	अन्य	नन्दी देवी	2781	बिनकोट	1,080	31	1,111
11	पनाई	गंगा देवी	1708	उजागर समूह (जाना)	1,300	37	1,337
12	रिसकन	बीना देवी	2941	वलना	14,400	408	14,808
13	सोमेष्वर	मंजू तिवारी	593	पूजा समूह (बैगनिया)	765	22	787

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विषेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2014–15 में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में उत्तराखण्ड से भाग लेने वाली 664 महिलाओं में विषेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमाचल के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर						
क्रम	समूह का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय `
प्रथम	चुड़ेष्वर समूह	3,35,761	8,883	3,44,644	24	14,360
द्वितीय	सेनधार समूह	1,79,900	4,945	1,84,845	18	10,269
तृतीय	खलोगेष्वर महाराज	3,05,931	8,435	3,14,366	33	9,526

प्रथम तीन श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य–हिमाचल						
क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
प्रथम	वेद प्रकाष	269	बोहल गाँव	50,530	1,430	51,960
द्वितीय	तुलसी राम	2897	चुड़ेष्वर समूह (घण्डूरी)	50,190	1,421	51,611
तृतीय	हितेन्द्र पहाड़िया	2932	खलोगेष्वर महाराज (तंदुला)	42,540	1,204	43,744

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिषत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	उत्पाद `	प्रतिषत योगदान मात्रा के आधार पर
1	अखरोट	7,686	12,28,234	27 %
2	सोयाबीन	5,028	1,65,204	18 %
3	राजमा	3,588	3,91,785	13 %
4	अनार	2,398	47,815	8 %
5	मडुवा	1,699	20,613	6 %
6	लाल मिर्च	1,496	1,47,099	5 %
7	झुंगरा	1,231	12,993	4 %
8	काला भट्ट	1,203	45,209	4 %
9	कैमोमाइल	547	1,90,388	2 %
10	चौलाई	544	24,467	2 %
11	धनिया	433	36,827	2 %
12	जौ	399	5,288	1 %
13	बाकुला	362	28919	1 %
14	हल्दी	259	15381	1 %
15	गेंहू	253	5515	1 %
16	तिल	229	24446	1 %
17	मूंग	213	10390	1 %

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	वर्ष	गाँव	काष्तकार	उत्पादन (किग्रा0)	आय `	बिक्री `
1	2010–11	10	15	18	8,700	40,800
2	2011–12	30	118	229	1,14,500	5,37,600
3	2012–13	45	327	773	3,86,463	7,82,973
4	2013–14	40	377	842	4,21,017	4,95,010
5	2014–15	29	213	547	1,90,388	7,75,323

जैविक सहभागी प्रमाणीकरण प्रक्रिया

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण (पी0जी0एस0) योजना को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना के अंतर्गत दुसाद गधेरा में 15 गांवों के 42 स्वयं सहायता समूहों से 477 काश्तकार इस योजना के अन्तर्गत प्रमाणित किये गये हैं। इन काश्तकारों ने 341 एकड़ ज़मीन पर सजीव खेती करने की प्रतिज्ञा ली। समीक्षा वर्ष के दौरान इन सभी काश्तकारों ने जैविक खेती की प्रक्रिया को जारी रखा।

4. मौन पालन कार्यक्रम :

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से ` **5,11,629 (पांच लाख, ग्यारह हज़ार, छः सौ उन्तीस)** के शहद का क्रय किया गया। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का **46** प्रतिषत है। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री ` **11,06,829 (ग्यारह लाख, छः हज़ार, आठ सौ उन्तीस)** हुई।

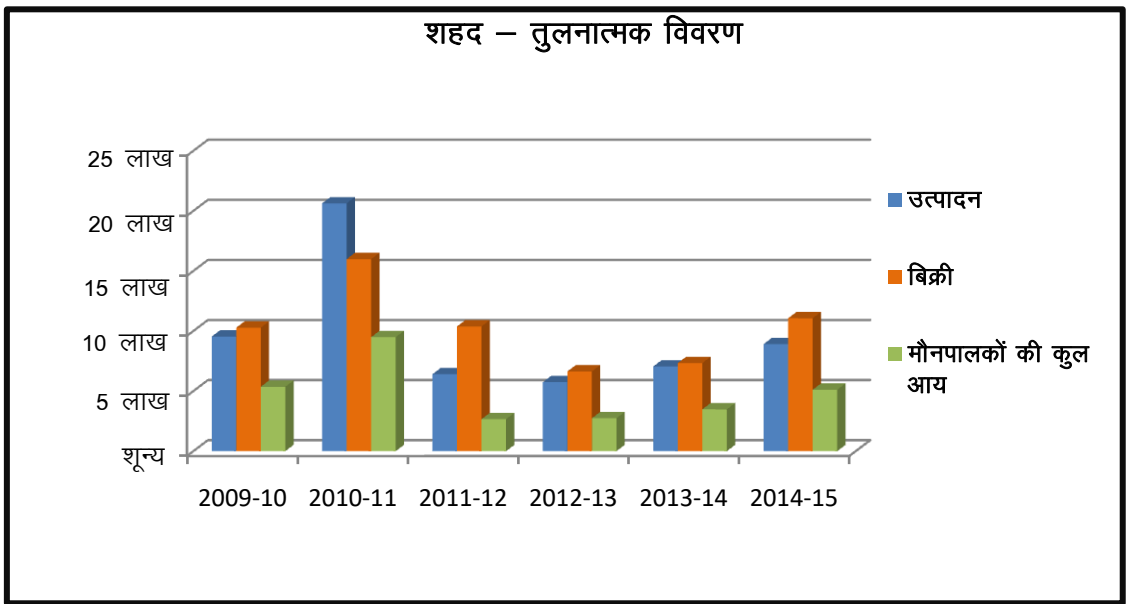

5. अन्य कार्यक्रम :

मुर्गी पालन :

उमग द्वारा उपरोक्त आजीविका विकास कार्यक्रमों के साथ–साथ, आय अर्जित करने के अन्य साधनों को बढ़ावा देने के लिये अन्य वर्षों की भांति समीक्षा वर्ष में भी, लघु रूप से मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा, नैनीताल एवं बागेश्वर ज़िले के **27 गाँवों** के **113 परिवार** इस कार्यक्रम से लाभांवित हुए हैं। समीक्षा वर्ष के दौरान इन काश्तकारों को **1,452 (एक हज़ार, चार सौ बावन)** मुर्गी के बच्चों का वितरण किया गया। इस परियोजना द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय लगभग ` **3,500 से** ` **4,000** तक हो जाती है, इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ है कि बच्चों के पोषण में अंडों के उपभोग से सुधार आया है। अन्य वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष कार्यक्रम में प्रगति पायी गयी है।

घरेलू पर्यटन :

उमंग द्वारा ग्रासरूट्स के गठबंधन में आय बढ़ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले पांच वर्षों से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को **2 गाँवों** के **10 परिवारों** में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने औसतन ` **2,12,700 (दो लाख, बारह हज़ार, सात सौ)** तक की वार्षिक अतिरिक्त आय अर्जित की।

7. क्षमता वृद्धि कार्यक्रम :

अपने सामाजिक एवं व्यवसायिक लक्ष्य की पूर्ति के लिए उमंग अपने संगठन से जुड़ी महिलाओं की क्षमता वृद्धि के लिए वचन बद्ध है। समीक्षा वर्ष के दौरान कई क्षमता वृद्धि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- समीक्षा वर्ष में स्वयं सहायता समूहों की क्षमता वृद्धि के लिए **212** समूहों में कुल **400** कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें समूह की महिलाओं को वित्तीय लेखा–जोखा व प्रस्ताव खातों को व्यवस्थित रखना तथा उन्हें भली प्रकार संचालित करना सिखाया गया, इसके अलावा इन कार्यशालाओं में उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी की संपूर्ण जानकारी, उत्पादक का महत्व व उसका कंपनी पर मालिकाना हक़ तथा आय बढ़ाने के अन्य साधनों पर भी चर्चा की गयी। सभी समूहों के उचित संचालन हेतु उमंग द्वारा उनकी समीक्षा एवं अंकेक्षण भी किया गया।

- बुनाई समूहों के उत्पादों में विभिन्नता लाने हेतु, हाथ की बुनाई मशीनों द्वारा उत्पादन करने का प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं इन मशीनों से बने नये उत्पादों के बाज़र में उचित व्यवस्था बनाने के प्रयास जारी हैं।श

- जैविक खेती के सुचारू संचालन हेतु समय समय पर विभिन्न प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- उमंग के कार्यकारणी समिति के सदस्य व कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्धि के लिए आंध्रा प्रदेष स्थित, टिम्बकटू कलैक्टिव संस्था व उनके द्वारा प्रोत्साहित धरनी प्रोड्यूसर्स कम्पनी एवं तमिलनाडु स्थित कीस्टोन फाउण्डेषन व अधिमलई प्रोड्यूसर्स कम्पनी का भ्रमण आयोजित किया गया।
- हिमाचल के स्पिति ज़िले के काष्तकारों ने उमंग की गतिविधियों को समझने के लिए उमंग संस्था का भ्रमण किया।

- समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई अन्य विकास कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से पर्यावरण संतुलन के लिए 5 गधेरों के 6 स्कूलों व 65 गाँवों में 12 प्रजातियों के कुल 8,545 (आठ हजार, पांच सौ पैंतालीस) फलदार पेड़ों तथा 32 प्रजातियों के कुल 1,37,395 (एक लाख, सैंतीस हजार, तीन सौ पचानबे) स्थानीय पेड़ों का वितरण व बुवाई का काम किया गया।

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंष धारक		उमंग उत्पादक				
				प्रतिभागी एस.एच.जी.	प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य	अंष धारक एस.एच.जी.	अंष धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	मौन पालक	एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
1	दुसाद	15	266	37	249	35	206	186	14	168	—	98
2	गगास अन्य	5	118	11	108	11	103	16	3	102	—	3
3	गगास वैली	2	37	3	33	3	25	21	—	16	—	0
4	हैडवाटर्स	4	71	11	63	10	58	63	37	—	—	29
5	कनाड़ी	12	102	16	99	14	80	80	—	57	—	35
6	खिरो	4	20	1	1	0	0	20	—	—	—	0
7	कोसी	9	148	8	128	8	132	60	56	59	—	26
8	कुजगढ़	4	101	7	100	7	101	1	1	100	—	1
9	माल्यागाड़	17	189	34	140	28	104	166	20	49	1	37
10	अन्य	10	40	1	2	1	6	9	1	23	7	0
11	पनाई	4	73	10	70	10	67	19	34	38	—	16
12	रिसकन	3	34	3	26	2	16	13	22	11	—	12
13	सोमेष्वर	7	111	10	111	10	111	10	—	111	—	10
कुल (उत्तराखण्ड)		**96**	**1,310**	**152**	**1,130**	**139**	**1,009**	**664**	**188**	**734**	**8**	**267**
14	हिमाचल	43	109	5	90	5	86	109	—	—	—	0
कुल		**139**	**1,419**	**157**	**1,220**	**144**	**1,095**	**773**	**188**	**734**	**8**	**267**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	हिमखाद्य उत्पादकों का बोनस	फल उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों का बोनस	बुनकरों की आय	बुनकरों का बोनस	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	कुल यौगिक आय	कुल यौगिक बोनस	कुल यौगिक आय + बोनस
1	दुसाद	3,88,870	9,387	29,307	2,456	2,46,515	11,964	6,783		6,71,475	23,807	**6,95,282**
2	गगास अन्य	4,789	23	2,951	256	4,26,560	20,977	47,720		4,82,020	21,256	**5,03,276**
3	गगास वैली	18,824	306			9,405	463	1,047		29,276	769	**30,045**
4	हैडवाटर्स	1,13,095	2,990	1,54,431	12,345					2,67,525	15,335	**2,82,860**
5	हिमाचल	12,41,034	31,682							12,41,034	31,682	**12,72,716**
6	कनाड़ी	1,46,711	3,875			1,02,045	5,018			2,48,756	8,893	**2,57,649**
7	खिरो	12,410								12,410		**12,410**
8	कोसी	3,80,451	8,553	87,715	7,424	1,45,190	7,140	15,834		6,29,190	23,117	**6,52,307**
9	कुजगढ़	10,840	307	1,304	113	3,33,050	16,379	35,594		3,80,788	16,799	**3,97,587**
10	माल्यागाड़	93,385	2,120	23,950	2,011	39,075	1,425	5,068	7,040	1,68,517	5,556	**1,74,073**
11	अन्य	4,170	31	80,369		45,015	162	4,818	5,04,589	6,38,961	193	**6,39,154**
12	पनाई	8,360	201	52,092	4,406	78,965	3,883	9,322		1,48,739	8,490	**1,57,229**
13	रिसकन	16,529	451	17,698	989	20,980	1,031	2,432		57,639	2,471	**60,110**
14	सोमेष्वर	2,697	74			2,34,965	11,558	28,678		2,66,340	11,632	**2,77,972**
कुल अर्जित राषि		**24,42,163**	**60,000**	**4,49,816**	**30,000**	**16,81,765**	**80,000**	**1,57,296**	**5,11,629**	**52,42,669**	**1,70,000**	**54,12,669**

कुल यौगिक कार्यक्रमों से प्राप्त कुल आय के आधार पर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त समूहों तथा सदस्यों की सूची

उत्तराखण्ड से कुल यौगिक आय श्रेष्ठ समूह

क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय `	बोनस से आय `	कुल आय `	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य आय `
प्रथम	महिला मैलीफेरा (बेलपड़ाव)	अन्य	1,88,205	–	1,88,205	2	94,103
द्वितीय	देव स्थल समूह (खलाड़)	कोसी	2,64,569	7,505	2,72074	21	12,956
तृतीय	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	1,47,380	10,691	1,58,071	22	7,185
चतुर्थ	लक्ष्मीबाई समूह (मजखाली)	गगास अन्य	46,764	2,283	49,047	7	7,007
पंचम्	नवदीप समूह (सैनरी)	कनाड़ी	39,788	1,435	41,223	6	6,871

एवं

समीक्षा वर्ष के अंतर्गत कुल 17 लोगों ने तीनों आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, व हिमखाद्य में अपना योगदान दिया।

कुल यौगिक आय श्रेष्ठ सदस्य (तीन आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, हिमखाद्य से जुड़े)

क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पादों से कुल आय `	बोनस से आय `	कुल आय `
प्रथम	दीपा देवी	2469	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	मालयागाड़	10,020	584	10,604
द्वितीय	इंद्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	9,168	390	9,558
तृतीय	दुर्गेष्वरी देवी	4	मात्रषक्ति समूह (क्वैराला)	कोसी	6,200	355	6,555

सफलता की ओर एक क़दम.....

उमा देवी, ग्राम–बगथल, ज़िला अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड की निवासी हैं। **वर्ष 2010** में वह संस्था से जुड़ीं। इनके परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमज़ोर होने के कारण इन्हें अपना घर खर्च खुद ही का चलाना पड़ता है। संस्था से जुड़ने के बाद इनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में काफी परिवर्तन आया, वर्तमान में वह अपने समूह की अध्यक्ष हैं। समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं द्वारा गठित ग्राम विकास समिति में वह कोषाध्यक्ष का कार्य भी करती हैं।

इन्होंने अपने गाँव में संस्था के साथ मिलकर कई विकास कार्य करवाये, जिसमें 13 शौचालय, 7 बरसाती टैंक, 2 गोबर गैस प्लांट और 3 हैण्डपम्प बनवाये। जिसमें से एक गोबर गैस प्लांट इन्होंने अपने घर में बनवाया जिससे उन्हें अब लकड़ियों के लिए जंगल नही जाना पड़ता है तथा समय की बचत होती है, इस समय का उपयोग वह अन्य आजीविका कार्यों के लिए कर पाती हैं। इन्होंने गाँव में पौधरोपण का कार्य भी किया जिसके लिए इन्हें काफी दूर से पौधे लाने पड़ते थे, **वर्ष 2013** में इन्होंने गाँव में ही एक छोटी सी नर्सरी बनायी जिसके पौधे ही समूह के लोग अब अपने प्लॉट में लगाते हैं। जिससे समूह की सभी महिलाओं की आय में वृद्धि होती है। उमा देवी प्रतिवर्ष लगभग 3000 पौधे नर्सरी से विक्रय करती हैं।

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कं0 से जुड़ने के बाद उमा देवी ने अपने गाँव से अपने फल और अन्य पारम्परिक व नकदी फसलों का विक्रय किया जिससे इनकी आय में वृद्धि हुई। साथ ही मुर्गी पालन भी किय। इन्होंने अपने गाँव में एक सिंचाई योजना बनवाई जिससे 22 परिवार लाभान्वित हुए और लगभग 100 नाली (5 एकड़) भूमि सिंचित हुई।

इनका कहना है कि *''समूह से जुड़ने के बाद मैं कई जगह भ्रमण पर गई जहां से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे यह बताते हुवे गर्व होता है कि एक अनपढ़ महिला होते हुए भी मैंने बहुत से विकास कार्य किए, जिनसे प्रभावित होकर मुझे गगास घाटी के निवासियों द्वारा संचालित गधेरा बचाओ अभियान के तहत गठित मल्यागाड़ मंच का सदस्य बनाया गया और पास के गाँव में भी कार्य करने का अवसर मिला। मैं अब कहीं भी खुलकर अपने द्वारा किए गये कार्यों के बारे में बताती हूं। सभी लोग मेरे द्वारा कराये गये कार्यों की काफी प्रषंसा करते हैं।''*

दीपा देवी, ग्राम–मुझोली, पो0 आ0 गोलूछीना, ज़िला अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड की निवासी हैं, दीपा देवी **वर्ष 2009** में संस्था द्वारा ग्राम मुझोली में की गई बैठक में पहली बार समाज से जुड़ीं और 10 महिलाओं को जोड़ कर एक स्वयं सहायता समूह **'महिला जय कृष्णा बचत एवं ऋण समूह'** का गठन किया। वर्तमान में वह इस समूह की अध्यक्ष हैं। वर्तमान में मुझोली गाँव में 6 महिला स्वयं सहायता समूह हैं। सभी समूहों ने एकजुट होकर एक ग्राम विकास समिति का गठन किया। ग्राम विकास समिति ने प्रति परिवार तथा विकास कार्यों के अंषदान से एक ग्राम कोष बनाया है, जिसमें वर्तमान में ` 1,65,000 (एक लाख पैंसठ हजार) हैं।

वर्ष 2011 में संस्था के सहयोग से इन्होंने अपने घर में दीनबंधु गोबरगैस प्लांट बनवाया, जिसे चलाने के लिए एक भैंस खरीदी। इस प्लांट से निकलने वाली स्लरी से इन्होंने केंचुवा खाद तैयार की, जिससे इनके द्वारा किये जा रहे सब्जी उत्पादन कार्य के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक प्राप्त हो जाते हैं। साथ ही इन्होंने एक बरसाती टैंक भी बनवाया, संस्था के दिषानिर्देष से इन्होंने नकदी फ़सलें उगाना भी शुरू किया तथा **महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कं0** द्वारा आजीविका बढ़ाने हेतु बांटे गये मुर्गी के बच्चों से इन्होंने उचित लाभ कमाया, जिससे इनकी आय में वृद्धि हुई। इसके अलावा यह बुनाई और सिलाई आयवर्धन कार्यक्रमों से भी जुड़ी हैं।

संस्था के सहयोग से समूहों ने गाँव में 2 सिंचाई योजनाएं भी बनायी। जिससे 67 परिवार लाभान्वित हुए और 110 नाली (5.5 एकड़) भूमि सिंचित हुई। जिसके कारण गाँव में नकदी फसलें (स्ट्रॉबैरी, अदरक, मटर, बीन्स, टमाटर और षिमला मिर्च) उगायी गयीं तथा कई फलदार वृक्ष (काग़ज़ी नींबू, आम, अखरोट व प्लम) भी लगाये गये।

इनका कहना है कि *''मुझे यह बताते हुए खुषी होती है कि मै एक घरेलू महिला थी, संस्था के साथ जुड़कर मैंने कई जगह का भ्रमण किया जहां पर मुझे काफ़ी कुछ सीखने को मिला, समाज के साथ जुड़कर मैंने अपने गाँव में हैण्डपम्प, पौधारोपण और अन्य विकास कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग दिया आज हमारे गाँव का अपना कोष है, अपना जंगल है, जिसकी हम देखरेख करते हैं। पेयजल की समस्या भी समाप्त हो गई है। घर–घर में शौचालय और गोबर गैस है। मेरी निजी स्थिति में परिवर्तन के साथ–साथ संस्था के साथ जुड़कर मेरे गाँव का भी विकास हुआ। वर्तमान में मेरे समूह में भी 10 से बढ़कर 18 महिलाएं जुड़ गई हैं। जो सभी विकास कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग देती हैं मेरे साथ–साथ उनके परिवारों की आर्थिक दषा में भी काफी सुधार हुआ है, और हम सभी काम करके अपने परिवार को चलाने मे अपना पूर्ण सहयोग देती हैं। इन सभी कामों को करते हुए मैंने महिला उमंग द्वारा संचालित सभी उद्योगों में सहभागिता निभाते हुए वर्ष 2014–15 में यौगिक आय श्रेष्ठ सदस्यों में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिससे मैं बहुत गर्व महसूस कर रही हूं।*

आषा करती हूं कि आगे भी मैं गाँव की महिलाओं के साथ मिलकर विकास में अपना पूर्ण सहयोग देती रहूंगी।

सारांष

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **17** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा ` **12,23,315 (बारह लाख, तेईस हज़ार, तीन सौ पंद्रह)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का 9 प्रतिषत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **3,582 (तीन हज़ार, पांच सौ बयासी)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने ` **4,47,800 (चार लाख, सैंतालीस हज़ार, आठ सौ)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 1,419 (एक हज़ार, चार सौ उन्नीस) परिवारों ने ` 72,96,484 (बहत्तर लाख, छियानबे हज़ार, चार सौ चौरासी) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ` 5,142) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

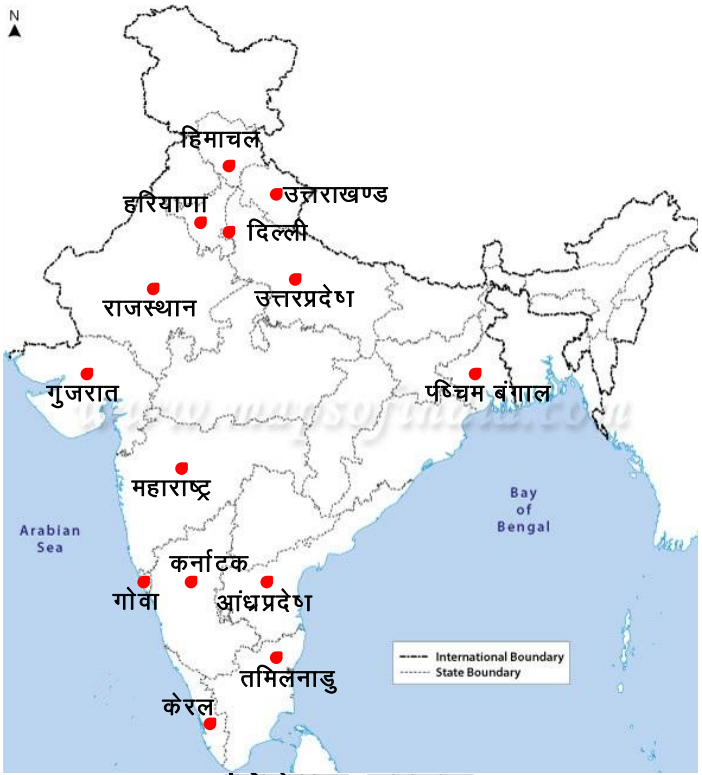

निदेषक मण्डल

श्रीमती बसन्ती पवार,
रायस्टेट, रानीखेत
कार्यकारी निदेषिका

श्रीमती मीना आर्या,
मालरोड, रानीखेत
चेयर पर्सन

श्रीमती सुनीता आर्या
कालिका, रानीखेत

श्रीमती इन्दिरा रावत,
रानीखेत

श्रीमती नीमा बिष्ट
डौड़ाखाल, कनाड़ी

श्रीमती माया खर्कवाल
कौसानी, सोमेष्वर

मालरोड,

श्रीमती मीना अधिकारी,
नैनी

श्रीमती मंजू तिवारी,
बैगनिया, सोमेष्वर

श्रीमती इंद्रा कबडवाल
उभ्याड़ी

श्रीमती ललिता देवी
बटुलिया

श्रीमती भावना बुधोड़ी
टनोला, कनाड़ी

श्रीमती राधा सती
सती नौगांव, दुसाद

श्रीमती मंजू देवी
मुझोली, माल्यागाड़

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिष्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विष्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।